OUTCOME BUDGET

2023-24

FOREST DEPARTMENT
UTTARAKHAND

आउटकम/परफॉरमेन्स बजट 2023–24 :–

(1) अधिष्ठान एवं क्षमता विकासः–

योजना	योजना का उद्देश्य	निर्धारित आउट ले (रूहजार में)		01–04–2022 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2023–24	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
अधिष्ठान एवं क्षमता विकास	प्रशासन, क्षमता विकास	5866357	–	विभाग में स्वीकृत पदों के सापेक्ष वेतन भत्तों आदि का प्रशासनिक व्यय– ल0स0पुस्तकों का क्रय –ल0स0, प्रशिक्षण केन्द्रों का रखरखाव, उत्तराखण्ड वन पंचायत सलाहकार परिषद के प्रशासनिक व्यय हेतु, उत्तराखण्ड पारिस्थितकीय पर्यटन सलाहकार परिषद का प्रशासनिक व्यय।	विभाग में स्वीकृत पदों के सापेक्ष वेतन भत्तों आदि का भुगतान तथा प्रशासनिक व्यय, प्रशिक्षण केन्द्रों का रखरखाव–03 स0, प्रशासनिक व्यय–ल0स0पुस्तकों का क्रय –ल0स0, उत्तराखण्ड वन पंचायत सलाहकार परिषद का प्रशासनिक व्यय, उत्तराखण्ड पारिस्थितकीय पर्यटन सलाहकार परिषद का प्रशासनिक व्यय।	विभाग में स्वीकृत पदों के सापेक्ष वेतन भत्तों आदि का भुगतान तथा प्रशासनिक व्यय, प्रशिक्षण केन्द्रों का रखरखाव–03 स0, प्रशासनिक व्यय–ल0स0पुस्तकों का क्रय –ल0स0, उत्तराखण्ड वन पंचायत सलाहकार परिषद का प्रशासनिक व्यय, उत्तराखण्ड पारिस्थितकीय पर्यटन सलाहकार परिषद का प्रशासनिक व्यय।	1–वन विभाग के अन्तर्गत वनों एवं वन्यजीवों की सुरक्षा, प्रबन्धन एवं तत्सम्बन्धित आनुषंगिक कार्य, 2–विभिन्न कार्मिकों का क्षमता विकास ताकि वें अपने निर्धारित कार्यों को दक्षता से सम्पादित कर सकें। 3–गठित परिषदों की सलाह/परामर्श को विभाग के उद्देश्यों की प्राप्ति में सम्मिलित करना।	31–3–2024
	योग	5866357	–					

(2) वनीकरण एवं संरक्षण :–

योजना	योजना का उद्देश्य	निर्धारित आउट ले (₹हजार में)		01–04–2022 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2023–24	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
वनीकरण एवं संरक्षण	वृक्षारोपण एवं जल संरक्षण, अनुसंधान के माध्यम से वानिकी का विकास, प्रदेश की 12,089 वन पंचायतों का चरणबद्ध रुप से सुदृढ़ीकरण करना।	401693	570499	वृक्षारोपण–9718है0 वनीकरण अनुरक्षण–6253 है0, अग्रिम मृदा कार्य– 6459 है0, नर्सरी सुदढीकरण एवं उच्चीकरण कर मॉडल नर्सरी के रूप में विकसित करना–100 सं0, भूमि संरक्षण कार्य–1743 स0, बुग्यालों का अनुरक्षण–408 सं0 पिरूल चैकडेम निर्माण–767,पिरूल/ड्राई चैकडेम–575 हर्बल मॉडल पौधशाला–2 हर्बल गार्डन माजरा नवगृह वाटिका में औषधीय पौधों का रोपण एवं लैण्ड स्केपिंग कार्य–5सं0 ए0एन0आर0–500 है0, चैक डेम निर्माण–95 सं0 नर्सरी सुदृढ़ीकरण एवं उच्चीकरण कर मॉडल नर्सरी के रूप में विकसित करना–68, चरी निर्माण–10 सं0, महिला पौधा0की स्थापना –471 प्रशिक्षण–72 सं0, पौध उगान–57820 पौध, पौध रोपण–813050 सं0, जलकुण्ड 250 घ0मी0–25 सं0 जलकुण्ड 100 घ0मी0–76सं0 जलकुण्ड 50 घ0मी0–175सं0 जलकुण्ड 20 घ0मी0–255 सं0 कन्टूर ट्रैंच–569 सं0 सं, भूमि एवं स्पर एवं अवरोधक निर्माण– 15, चालखाल निर्माण–25, भू–क्षरण की रोकथाम	वनीकरण– 4110.66 है0, अग्रिम मृदाकार्य –4097.44 है0 वनीकरण अनुरक्षण–4124.39 है0 लुप्तप्राय प्रजातियों मं उच्च गुणवत्ता पौध तैयार करना–150 है0, नये पौधालयों की स्थापना–39, महिला समूहों को स्थलीय प्रशिक्षण–44 सं0, पौध उगान संख्या–5666 सं0, पौघ रोपण–4165000 सं0 अमृत सरोवर–169 सं0 हरेला कार्यक्रम में फलदार पौध वितरण–725000 सं0 भू–क्षरण की रोकथाम सम्बन्धी विभिन्न कार्य।	लगभग 4500 है0 में वृक्षारोपण एवं 4000 है0 में का अग्रिम मृदा कार्य। 1–विगत तीन वर्षों में किये गये लगभग 9000 है0 वृक्षारोपणोंका अनुरक्षण 2– विगत 3 वर्षो में किये गये 300 है0 औषधीय पौधों के वृक्षारोपणों व औषधीय पौधों की नर्सरियों का अनुरक्षण हेतु। 3–विगत तीन वर्षों से अधिक पुराने वृक्षारोपण क्षेत्रों में सिल्वीकल्चर कार्य (लगभग 3000 है0 एवं नर्सरियों का अनुरक्षण/विस्तारीकरण) 4–वन पंचायतों का सुदृढीकरण 300 है0 में अनुरक्षण जल संरक्षण संरचनाओं एव भू 5–क्षरण को रोकने हेतु संरचनाओं का अनुरक्षण, औषधीय पौधों नर्सरियों का अनुरक्षण, रिसर्च क्षेत्रों का अनुरक्षण कार्य।	भविष्य में वनावरण में वृद्धि एवं वनों की गुणवत्ता में वृद्धि के साथ–साथ पर्यावरण में सुधार होगा जिससे जल संरक्षण में वृद्धि होगी, ग्रामीणों के माध्यम से खाली पड़ी भूमि में रोपण करवाने से भविश्य में आय में वृद्धि होगी तथा ग्रामीणो में वृक्षारोपण हेतु जागरुकता बढेगी, पौध स्कूल के छात्रों को रोपण हेतु पौध उपलब्ध कराने से वृक्षों के प्रति जागरुकता उत्पन्न होगी, जलाशय, जल कुन्डों का निर्माण तथा जल स्रोतों का पुनरुद्वार करने से वन क्षेत्रों में नमी रहने से वन्य जन्तुओ के साथ साथ निकट के क्षेत्रों में ग्रामीणों को पानी उपलब्ध होगा, भू–क्षरण की रोकथाम हो सकेगी, अनुसंधान के परिणामों के आधार पर वनों एवं वन्यजीवों का विकास, वन पंचायतों में जारुकता वृद्धि जिससे वन पंचायतें वनों की सुरक्षा में रुचि उत्पन्न होगी।	वृक्षारोपणों का पर्यावरण एवं फोरेस्ट कवर में दीर्घकालीन परिणाम परिलक्षित होत है अतः वर्तमान में किये गये वृक्षारोपणों का प्रभाव 10–15 वर्षो के बाद परिलक्षित होगा, वृक्षारोपणों के परिणाम दीर्घकालीन होते है।

योजना	योजना का उद्देश्य	निर्धारित आउट ले (₹हजार में)		01–04–2022 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2023–24	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
				सम्बन्धी विभिन्न कार्य, पौध उगान–1826390 सं0, नर्सरी विकास एवं पौध उत्पादन/ क्रय–545 सं0, क्वालिटी सीड प्रोडक्शन–6, पौधालय के अनुरक्षण 258 सं0, पाइनेटम अनुरक्षण–5 सं0, रेंजो हेतु बेचों का निर्माण–45 सं0,, जैवि खाद निर्माण–15.62 घ0मी0, पौधों का रखरखाव–219, सांख्यिकी प्लाटों का मापन–93, बोर्ड निर्माण–31				
ईको टास्क फोर्स द्वारा वनीकरण कार्य		45001						
केन्द पोषित योजनायें								
राष्ट्रीय वन रोपण कार्यक्रम (ग्रीन इण्डिया मिशन)		613737		भारत सरकार द्वारा आवंटित लक्ष्य के अनुसार।	भारत सरकार द्वारा लक्ष्य आवंटित किया जाता है।	भारत सरकार द्वारा लक्ष्य आवंटित होना है।	वृक्षारोपण कर वनावरण में वृद्धि के साथ साथ वनो की गुणवत्ता बढेगी	वनावरण में वृद्धि होगी परिणाम भविश्य में प्राप्त होगे।
राष्ट्रीय कृषि वानिकी एवं बास मिशन (केन्द्र पोषित)		75000		भारत सरकार द्वारा आवंटित लक्ष्य के अनुसार।	भारत सरकार द्वारा लक्ष्य आवंटित किया जाता है।	भारत सरकार द्वारा लक्ष्य आवंटित होना है।		
राष्ट्रीय वन रोपण कार्यक्रम (एन0ए0पी0)		9946						
	योग	1145377	570499					

(3) वनों की सुरक्षा एवं प्रबन्धनः–

योजना	योजना का उद्देष्य	निर्धारित आउट ले (रैंहजार में)		01–04–2022 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2023–24	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
वनों की सुरक्षा एवं प्रबन्धन	वनों की अग्नि से सुरक्षा, अतिक्रमण,अवैध शिकार, अवैध कटान तथा अवैध खनन में नियंन्त्रण	918430		फायर लाईनों का रखरखाव–22626 कि0मी0, फायर वाचर–9411 सं0 कन्ट्रोल बर्निंग–107425 है0, परकोलेशन टेंक–225 सं0 मास्टर कन्ट्रोल रूम–5 चाल–खाल निर्माण–175, वाच टावर–7 सं0 चैकडैम–418, अवरोधक निर्माण–375 है, कू स्टेशन रखरखाव –76 स0 ट्रेंच खुदान–101284 र0मी0 कन्टूर ट्रेंच निर्माण–1260, 250000 ली0, 100000 ली0, 50000 ली0, 20000 ली0, 10000 ली0 क्षमता वाले बॉडी का निर्माण– क्रमशः 68, 176, 235, 1187 व 324 अन्य कार्य –ल0स0, घोषणा संख्या– 237/2020, घोषणा संख्या– 241/2020, घोषणा सं0 362/2019–घोषणा संख्या– 138/2021, घोषणा संख्या– 336/2020, घोषणा संख्या– 692/2017 का क्रियान्वयन किया गया, पचास हजार प्रति दर से वन रक्षक एवं फॉरेस्ट चौकी का अनुरक्षण–149 सं0, चैक पोस्ट बैरियर सुदृढीकरण–96 सं0, चैक पोस्ट बैरियर निर्माण–11, ट्रेंच खाई खुदान–15 किमी0 बाउन्ड्री पीलर निर्माण –315 स0, बाउन्ड्री पिलर सुदृढ़ीकरण –575 स0, पेट्रोलिंग मार्गो का रखरखाव–348 किमी0 ऋषिकेश क्षेत्र में मा0 मुख्यमंत्री जी घोषणा सं0 119/2020 का	फायर वाचर–4850 सं0, फायर लाईन मैनटेनेंस–947 किमी0कन्ट्रोल बर्निंग–151011.8 चेक पोस्ट/बेरियर का सुदृढीकरण–26 ट्रेंच खाई खुदान–8 किमी0, पचास हजार प्रति दर से वन रक्षक एवं फॉरेस्ट चौकी सुदृढ़ीकरण –21, भूमि एवं जल संरक्षण कार्य–467 सं0, जियो जूट विधि से बुग्यालों का अनुरक्षण–15, अन्य कार्य –ल0स0, मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा संख्या–742/2021 ''रायपुर विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत आबादी क्षेत्रों के समीप आरक्षित वन भूमियों में कुडे–करकट के बचाव हेतु जाल लगवाये जायेंगे' घोषणा संख्या–743/2021 ''रायपुर विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम सभा खैरी मानसिंह, मालदेवता, रायपुर खादर एवं केशरवाला में जंगली हाथियों से फसलों के बचााव हेतु सोलर फेंसिंग का कार्य करवाया जायेगा''।	1–चालू वर्ष में 1.50 लाख कुन्टल लीसा उत्पादन 2–वन निगम को दी जाने वाली लौटों के छपान 3–12 वन प्रभाग की कार्ययोजनाओं के निर्माण 4–वनाग्नि सुरक्षा मे लगे दलों हेतु गुड़ चना इत्यादि क्रय। 1–वनाग्नि प्रबन्धन हेतु 5000 फायर वाचरों का चार माह के पारिश्रमिक 2–लगभग 30 हजार है0 में कन्ट्रोल बर्निंग हेतु, 3–लगभग 7000 किमी0 में फायर लाईन का रखरखाव 4–जियो जूट विधि से 15 बुग्यालों का संरक्षण 5–ईको टूरिज्म केन्द्रो/वन विश्राम भवन/ईको टूरिज्म के अन्तर्गत ट्रैक रूट आदि का रखरखाव। 7–लगभग 200 वन रक्षक चौकी, बाउण्ड्री पिलरों, सोलर फेन्सिग, दीवार, तार जाल की मरम्मत, चिन्हित बुग्यालों के प्रबन्धन एवं ट्रैक रूटों की मरम्मत 8–लगभग 20 मॉडर्न क्रू–स्टेशनों का सुदृढ़ीकरण	अग्नि दुर्घटनाओं से वन संम्पदा होने वाली क्षति को कम करना, वनों एवं वन्यजीवोंअतिक्रमण, अवैध कटान, अवैध शिकार आदि से सुरक्षा,सूचना प्रौघोगिकी तंत्र का सुदृढ़ीकरण कर सूचना तंत्र को सुदृढ करना, अग्नि दुर्घटनाओं के नियंत्रण में नवीनतम तकनीकी का उपयोग, वनों के प्रबन्धन की योजना से बेहतर प्रबन्धन, पर्यटकों की संख्या में वृद्धि कर उनमें वन एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता में वृद्धि, स्थानीय समुदायों की आजीविका में वृद्धि व राज्य सरकार के राजस्व प्राप्ति में वृद्धि।	31–3–2024

योजना	योजना का उद्देश्य	निर्धारित आउट ले (₹हजार में)		01–04–2022 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2023–24	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
				आंशिक कार्य–6 किमी0, भिंगराड़ा रेंज के अन्तर्गत बिनवाल गांव चौकी का जीर्णोद्धार–1 सं0, सूचना प्रौद्योगिकी तंत्र से सम्बन्धित विभिन्न कार्य किये जाते है, कार्य योजना का निर्माण एवं पुनरीक्षण कार्य पर होने वाले व्यय हेतु,बंग्यालो में भू0सं0कार्य–36 स0 भू0संरक्षण क्षेत्र को संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु जियो जूट क्रय करना, पिरूल जीओ नेट चैकडेम बैम्बू क्रय करना, जीओ नेट फिक्स करने हेतु बैम्बू के खूटों का क्रय करना, व्यू प्वाइन्ट –06 स0, अन्य कार्य –ल0स0, ईको सेन्टरों का विकास– 2 सं0, ईको पार्क की स्थापना–1 सं0, ट्रेकिंग रूट का निर्माण–4 सं0 ईको पार्को की स्थापना–1, वन विश्राम भवन की मरम्मत–4 देवलसारी में धनौल्टी की तर्ज पर ईको पार्क का निर्माण–1, मायावती (लोहाघाट फॉरेस्ट रेंज) फॉरेस्ट में टूरिज्म हट/रिसोर्ट का निर्माण–1 फॉटो वन परिसर में बौरवैल, झाझरा में नगर वन के अन्तर्गत विविध कार्य,		2–जल संरक्षण कार्य 150 वाटर होल निर्माण, 500 जलकुण्ड/अन्य जल संरक्षण कार्य। 3–लगभग 300 चैकपोस्ट/बैरियरों का सुदृढीकरण, 1500 बाउण्ड्री पिलर निर्माण सुरक्षा दीवार, खाई खुदान, सोलर फेन्सिग दीवार, तार जाल आदि।		
केन्द्र पोषित योजना								
फोरेस्ट फायर प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमैंट स्कीम	वनों की अग्नि से सुरक्षा, अतिक्रमण,अवैध शिकार, अवैध कटान तथा अवैध खनन में नियंन्त्रण	118980		भारत सरकार द्वारा आवंटित लक्ष्य के अनुसार।	भारत सरकार द्वारा लक्ष्य आवंटित किया जाता है।	भारत सरकार द्वारा लक्ष्य आवंटित होना है।		31–03–2024
	योग	1037410						

(4) वन्यजीव प्रबन्धन, राष्ट्रीय पार्कों एवं पक्षी विहारों का विकास तथा 'जू' प्रबन्धन

योजना	योजना का उद्देश्य	निर्धारित आउट ले (रुहजार में)		01–04–2022 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2023–24	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
वन्यजीव प्रबन्धन, राष्ट्रीय पार्कों एवं पक्षी विहारों का विकास तथा 'जू' प्रबन्धन		93821	15000	लैन्टाना/कालाबास उन्मूलन–3731 है0, पूर्व के वर्षों में किये गये लैण्टाना उन्मूलन कार्य का अनुरक्षण–1452 है0, जलाशय के चारों ओर फ्लैट एंगिल आयरन तथा 10 गेज वेल्डेड वायर में सुरक्षा रेलिंग निर्माण कार्य–0.3 किमी0, भूमि एवं जल संरक्षण कार्य– 708 है0, जल कुण्ड निर्माण–75 सं0, प्राकृतिक वास स्थलों के निकट जलकुण्ड बनाना–45, जल संग्रहण/चहलनिर्माण–3, वाटर होल का नव निर्माण–6,चाल–खाल निर्माण–10, चेनलिक फेन्सिंग कार्य–355 मी0 चीतल पार्क मंगलौर का सुदृढ़ीकरण–1 सं0, रसियाबड पर्यटन केन्द्र का विकास–1 सं0, पर्यटन भ्रमण/बर्ड वाचिंग ट्रेल का रखरखाव–6, वन चेतना केन्द्रों का रखरखाव–3 सं0, पर्यटन केन्द्रों का रखरखाव, वाटिका/पार्क का सुदृढ़ीकरण–1, झील में बहने वाले नालों का रखरखाव–20 सं0, इन्टरप्रिटेसन सेन्टर का विकास–01 लैण्टाना उन्मूलन प्रथम व द्वितीय वर्ष–685, पेट्रोलिंग–215 किमी0, एंटीपोचिंग गश्त–12, मड फ्लेट–4 झील में बहने वाले नालों का रखरखाव–35	संजय झील का विकास, प्राकृतिक वास स्थलों के निकट जलकुण्ड बनाना–14 सं0 भूमि सरक्षण कार्य–245 सं0, तालाबों का निर्माण–15, लैण्टाना आदि अनावश्यक वीड उन्मूलन– 510 है0, वाटर होल निर्माण–15 सं0, वन चेतना केन्द्र अपग्रेडशन–2, पर्यटन केन्द्रो का विकास–2 सं0, मड फ्लैट निर्माण–4, पर्यटन केन्द्रो का रखरखाव–3 सं0, वन चेतना केन्द्र रखरखाव–2, आदि कार्य।	वास स्थलों के विकास हेतु किये गये वृक्षारोपण का अनुरक्षण, देहरादून जू, नैनीताल में जू एवं रेस्क्यू सेन्टर एवं अल्मोड़ा जू में रखे जानवरोंका रखरखाव, साईट स्पेस्फिक प्लान बना कर जीवों के वास स्थलों का विकास, लैण्टाना उन्मूलन कर चारा विकास /घास रोपण–3000 है0, जीवों के वास स्थलों के विकास हेतु वाटर होल निर्माण–112 जलकुण्ड–110, मगरमच्छों के वास स्थल का विकास कर संरक्षण केन्द्र की स्थापना–1,अन्य संरचनाओं का निर्माण एवं जू एवं रेस्क्यू सेन्टर का विस्तारीकरण।	वन्यजीवों के वास स्थल में सुधार होने पर वन्यजीवों की संख्या में वृद्धि। वर्ष 2008 की गणना में बाघों की संख्या 164 थी जो वर्ष 2018 में बढ़कर 442 हो गयी है। उत्तराखण्ड में हाथियों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। वर्तमान में प्रदेश में कुल 2026 हाथी हैं। इससे परिलक्षित होता है कि वास स्थल सुधार से वन्य जन्तुओं की संख्या में वृद्धि हुई है।प्रदेश में लगभग 12500 वर्ग कि0मी0 क्षेत्र में स्नो लैपर्ड का प्राकृतवास है, स्नो–लैपर्ड की प्रथम बार की गई गणना में इनकी अनुमानित संख्या–121 पायी गई है। हिम तेंदुओं के संरक्षण के दृष्टिगत उत्तरकाशी में स्नो लैपर्ड कन्जर्वेशन सेन्टर का निर्माण प्रस्तावित है।	वास स्थलों में सुधार के परिणाम दीर्ध कालीनहोते हैं जिसका परिणाम आगामी वर्षों में परिलक्षित होगा।
केन्द्र पोषित योजना								
नन्दादेवी बायोस्फेयर रिजर्व की स्थापना		59500		भारत सरकार द्वारा आवंटित लक्ष्य के अनुसार।	भारत सरकार द्वारा लक्ष्य आवंटित किया जाता है।	भारत सरकार द्वारा अनुमोदित कार्ययोजना के अनुसार	नन्दादेवी बायोस्फियर रिजर्व का रखरखाव एवं विकास कार्य	31.03.2024

योजना	योजना का उद्देश्य	निर्धारित आउट ले (रूहजार में)		01–04–2022 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2023–24	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
प्रोजेक्ट एलीफेन्ट		82144		भारत सरकार द्वारा आवंटित लक्ष्य के अनुसार।	भारत सरकार द्वारा लक्ष्य आवंटित किया जाता है।	राजाजी पार्क एवं अन्य क्षेत्रों में हाथी के विकास स्थलों में सुधार कार्य	वन्यजीवों के वास स्थल में सुधार होने पर वन्यजीवों की संख्या में वृद्धि। वर्ष 2008 की गणना में बाघों की संख्या 164 थी जो वर्ष 2018 में बढ़कर 442 हो गयी है। उत्तराखण्ड में हाथियों की संख्या में भी वृद्धि हुई है वर्तमान में प्रदेश में कुल 2026 हाथी हैं। इससे परिलक्षित होता है कि वास स्थल सुधार से वन्य जन्तुओं की संख्या में वृद्धि हुई है।	31.03.2024
प्रोजेक्ट टाईगर		312218		भारत सरकार द्वारा आवंटित लक्ष्य के अनुसार।	भारत सरकार द्वारा लक्ष्य आवंटित किया जाता है।	प्रदेश के 02 टाईगर रिजर्वों का रखरखाव		
इन्ट्रीग्रेटेड डेवलपमेन्ट ऑफ वाईल्ड लाईफ हेबीटेट		139624				वाईल्ड लाईफ सेन्चुरियों/पार्क में वन्य जन्तु के वास स्थलों का विकास एवं रखरखाव		31.03.2024
सिक्योर हिमालय		15200		भारत सरकार द्वारा आवंटित लक्ष्य के अनुसार।	भारत सरकार द्वारा लक्ष्य आवंटित किया जाता है।	भारत सरकार द्वारा अनुमोदित ए0पी0ओ0 के अनुसार		31–03–2024
	योग	702507	15000					

(5)वन मार्ग, अश्व मार्ग, पुल एवं अन्य अवस्थापना विकास

योजना	योजना का उद्देश्य	निर्धारित आउट ले (रूहजार में)		01–04–2022 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2023–24	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
उत्तराखण्ड वन विकास निधि का गठन		25000						31–3–2024
वन मार्ग, अश्व मार्ग, पुल एवं अन्य अवस्थापना विकास	वन मोटर मार्गो, अश्वमार्गो का सुदृढ़ीकरण एवं कर्मचारियों हेतु आवासो की व्यवस्था	260000	50000	वन मार्गों का सुदृढ़ीकरण– 275 किमी, पैदल मार्गों का सुदृढ़ीकरण– 180 किमी0 मा0 मुख्यमंत्री जी घोषणा संख्या–घाोषणा संख्या–622/2019, घाोषणा संख्या–280/2018, घोषणा संख्या–1782/2021, घोषणा संख्या–1783/2021, घोषणा संख्या–1784/2021, घोषणा संख्या–1785/2021, घोषणा	विभिन्न वन मोटर मार्गों की अनुरक्षण कार्य–773 किमी0 विभिन्न वन मोटर मार्गों की सुदृढ़ीकरण कार्य–288 किमी0 मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा संख्या–1473/2021, 1505/2021, घोषणा	विभाग के अन्तर्गत लगभग 1700 किमी0 वन मोटर मार्ग एवं अश्व मार्ग, पैदल बटिया है। लगभग 1400 किमी0 बटिया अश्व मार्ग। पुल, पुलिया, निर्माण वन मार्गों का सुदृढ़ीकरण कार्य एवं मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणाओं का	वनों एवं वन्यजीवों की सुरक्षा एवं प्रबन्धन के अन्तर्गत वन कर्मियों द्वारा पैट्रोलिंग, निरीक्षण/भ्रमण आदि में वन मार्गों एवं अश्वमार्गो का रखरखाव अति महत्वपूर्ण है, जो प्रबन्धन के उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक है। इसके अतिरिक्त प्रदेश के	

				संख्या–1786 / 2021, घोषणा संख्या–1787 / 2021, घोषणा संख्या–1788 / 2021, घोषणा संख्या–1223 / 2021, घोषणा संख्या–1224 / 2021, घोषणा संख्या–1225 / 2021, घोषणा संख्या–242 / 2021, घोषणा संख्या–345 / 2019, घोषणा सं0 512 / 2019 हेतु–5 किमी0, घोषणा संख्या– 513 / 2019 हेतु–5 किमी0, घोषणा संख्या– 514 / 2019 हेतु–5 किमी0, घोषणा संख्या– 516 / 2019 हेतु–11 किमी0, घोषणा संख्या– 517 / 2019 हेतु–5 किमी0, टिहरी वन प्रभाग के भिलंगना रेंज, अमरसर / बासर / थाती कठूर बीट के अन्तर्गत ओडा से बूढ़ाकेदार की सम्पर्क मार्ग–13 किमी0, टिहरी वन प्रभाग के भिलंगना रेंज, घनसाली के अन्तर्गत घुत्तु से बूढ़ाकेदार (लोम से ओड़ा) ट्रैक रूट– 7 वन मोटर मार्ग कार्य–244 किमी0, वन मोटर मरम्मत–462 किमी0	संख्या–1223 / 2021 ''विधानसभा क्षेत्र पुरोला के अन्तर्गत औरा खेडमी मार्ग के 03 किमी. सतरा में पैदल आर.सी.सी. पुलिया का पुनः निर्माण, घोषणा संख्या–1224 / 2021 ''विधानसभा क्षेत्र पुरोला के अन्तर्गत बंगलियाण का जिवाणु (टिपर) मार्ग केदरागंगा में पैदल आर.सी.सी. पुलिया का पुनः निर्माण, घोषणा संख्या–1225 / 2021 ''विधानसभा क्षेत्र पुरोला के अन्तर्गत मांजी गांव से फूलों घाटी गसन केदारकांठा ट्रैक / पैदल मार्ग का पुनः निर्माण का क्रियान्वयन किया जा रहा है।	क्रियान्वयन, वन मार्गों, अश्व मार्गों का अनुरक्षण ववगत वर्षों के चालू एवं नये व पुल / पुलिया का निर्माण कार्य।	वन बाहुल्य होने के दृष्टिगत इन मार्गों से वनों के नजदीक निवास करने वाले ग्रामीणों को आवागमन की सुविधा उपलब्ध होती है तथा वन निगम द्वारा वन उपज की निकासी में भी सहायता प्राप्त होती है।	
	योग	285000	50000					

(6) आवासीय, अनावासीय भवनों का निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण

योजना	योजना का उद्देश्य	निर्धारित आउट ले (₹हजार में)		01–04–2022 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2023–24	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
आवासीय, अनावासीय भवनों का निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण		45000	30000	आवासीय भवनों की मरम्मत/सुदृढ़ीकरण–75 आवासीय अनावासीय भवनों की मरम्मत/सुदृढ़ीकरण–135, भवनों का जीर्णोद्धार–62	आवासीय/अनावासीय भवनों का जीणेद्वार–262 विभिन्न राजकीय आवासीय भवनों की मरम्मत	विभाग के अन्तर्गत 5393–आवासीय भवन, 420–वन विश्राम भवन/टूरिंग आवासीय अनावासीय, अन्य भवन है एवं कार्मिको द्वारा उनके राजकीय आवास मरम्मत हेतु बजट की मांग की जाती है। इस वर्ष हेंतु लगभग 500 आवासों का अनुरक्षण/मरम्मत कार्य किया जाना है। लगभग 100 आवासीय/अनावासीय भवनों का विस्तारीकरण एवं सुदृढ़ीकरकण हेतु कार्य किया जाना है। विभाग के कार्यालयों, हेतु फर्नीचर इत्यादि का क्रय। विभाग के कार्यालय हेतु मशीन इत्यादि का क्रय।	आवासीय/अनावासीय भवनों का सुदृढ़ीकरण एवं रखरखाव कार्य से वन कर्मियों द्वारा अपने दायित्वों के निर्वहन में सहायता प्राप्त होती है।	31.03.2024
	योग	45000	30000					

(7)मानव वन्यजीव संघर्ष एवं गूजर पुनर्वासः–

योजना	योजना का उद्देश्य	निर्धारित आउट ले (₹हजार में)		01–04–2022 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2023–24	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
मानव वन्यजीव संघर्ष एवं गूजर पुनर्वास		189603	47780	वन्यजीवों द्वारा मानव क्षति, पशु क्षति, भवन क्षति एवंफसल क्षति के मामलों का निस्तारण किया गया, पुनर्वासित गूजर बस्तियों में अवस्थापना विकास सम्बन्धी कार्य एवं उनका रखरखाव तथा पुनर्वास सम्बन्धी अन्य विविध व्ययसिंचाई हेतु नलकूप–6 सं0, शौचालय/बाथरूम निर्माण–175 सं0, हैण्डपम्प की निर्माण–83 सं0, सोलर फेसिंग निर्माण– 29.5 किमी0, एलीफेंट प्रूफ ट्रेंच–35.40 किमी0, शिवराजपुर वीट के अन्तर्गत तुमडिया रेंविस एवं ग्राम शिवराजपुर की सीमा पर सुरक्षा हाथी रोधी खाईयों का नवीनीकरण–24.89 किमी0, हाथी सुरक्षा दीवाल/खाई का अनुरक्षण–13 किमी0, पकडे गये बन्दर–13614, आपरेशन किये गये बन्दर– 5901 एवं बन्दरों का बन्ध्याकरण, चिडियापुर बान्याकरण केन्द्र का रखरखाव, सुअर रोधी दीवार निर्माण–19.76, हाथी एवं नीलगाय से सुरक्षा हेतु खाई निर्माण –19.21 कि0मी0, ग्राम विनगढ़ में नागनाथ रिजर्व क0 01 मुनार न0 90 से 95 तक दीवार निर्माण कार्य–1755 मी0, ग्राम देवस्थान में नागनाथ रिजर्व क0न0 01 के कावेरी गधेरे से बगरधार–सनतों तोक जयडुगरा दिवार निर्माण कार्य–1965 मी0, मसूरी वन प्रभाग देवलसारी राजि के ग्राम ठिक्क के अन्तर्गत वन्यजीवों से खेती सुरक्षा हेतु दीवार निर्माण कार्य– 1100 मी0, ग्राम चिलौण्ड के अन्तर्गत सुरक्षा दीवार निर्माण कार्य–1850 मी0, ग्राम रासी के अन्तर्गत आफल बेसार, कण्डारा एं तलसारी तोक तक सुरक्षा दीवार निर्माण कार्य–2100 मी0।	मानव क्षति, पशु क्षति, भवन क्षति एवंफसल क्षति के मामलों का निस्तारण किया गया। सोलर लाईट मय फिटिंग एवं ढुलान एवं साईन बोर्ड हेतु–30, एलीफैंट प्रूफ वाल मरम्त–9 किमी0, दक्षिणी जसपुर रेंज के अन्तर्गत भोगपुर बीट कक्ष सं0 28, 29 एवं ग्राम टाण्डा व टाडा प्रभावपुर की सीमा में हाथी सुरक्षा सुरक्षा खाई की मरम्मत–2 किमी0, जसपुर कक्ष सं0 19 एवं हजारा गॉव की सीमा पर हाथी खाई खदुान की मरम्मत–2 किमी0, कालागढ़ के चौकी के चारों ओर हाथी सुरक्षा खाई खुदान–4.19 किमी0, सोलर फेन्सिंग मरम्मत कार्य–7.3 किमी0, हाथी /वन्य जीव प्रूफ स्टोन वाल का रखरखाव–8.26 किमी0, सोलर फेन्सिंग–7.3 किमी0, हाथी सुरक्षा दीवार निर्माण कार्य–0.2 किमी0 वानरों को पकड़कर बन्ध्याकरण के पश्चात उन्हे पकड़ने के स्थान अथवा उसके निकटतम वास स्थलों पर छोड़ना– 12515 एवं वानरों का बंध्याकरण–4710, जौनपुर रेंज के अन्तर्गत ग्राम बैट, विकासखण्ड जौनपुर टिहरी गढ़वाल में वन्यजीवों से कृषको की खेती सुरक्षा हेतु दीवार निर्माण, ग्राम ल्वाणी के पलसारी तोक में खेती सुरक्षा हेतु दीवाल निर्माण कार्य, सुपिन रेंज के	जू एवं रेस्क्यू सेन्टर हेतु अल्ट्रासाउण्ड–2 प्रति मशीन 10 लाख, एक्सरे मशीन–2 प्रति मशीन 5 लाख इत्यादि का क्रय। लगभग 20 हजार बन्दरों के एवं शहरी/आबादी क्षेत्रों से वानरों को पकडकर बन्ध्याकरण के पश्चात उनके प्राकृत वास स्थलों में छोडना। गूजर पुनर्वास क्षत्रों में अनुरक्षण कार्य, मानव वन्यजीव संघर्ष को रोकने हेतु स्थापित सोलर फेन्सिंग का अनुरक्षण 30 किमी0, खाई अनुरक्षण, वाच टावरों का अनुरक्षण, हाथी एवं अन्य वन्यजीव रोधी दीवार अनुरक्षण, बन्ध्याकरण केन्द्रों का अनुरक्षण, आबादी के निकट वन क्षेत्रों में लैण्टाना उन्मूलन 600 है0 1–गूजर पुनर्वास क्षेत्रों में 66 शौचालय/बाथरूम हैण्ड 2–मानव वन्यजीव संघर्ष के न्यूनीकरण एवं जंगली जानवरों से कृषकों की खेती की सुरक्षा के लिये हाथी सुरक्षा खाई खुदान 11 किमी0, सोलर फेन्सिंग लगाना 20 किमी0, हाथी रोधी दीवार का निर्माण 1 किमी0 अन्य कार्य। मानव वन्यजीव संघर्ष राहत वितरण निधि नियमावली–2012 एवं राज्य आपदा मोचन निधि के अनुसार मानव घायल (130 प्रकरणों में रू0 25.19 लाख,) पशु क्षति (1270 प्रकरणों में रू0 401.60	मानव वन्यजीव संघर्ष प्रदेश की ज्वलन समस्या है, जिससे स्थानीय निवासियों के जान–माल का नुकसान होताहै, तथा इससे वन्यजीवों के संरक्षण पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। यदा–कदाप्रति शोध स्वरूप वन्यजीवों को भी क्षति पहुॅचती है। अतः वन्यजीवों क संरक्षण व स्थानीय जनता की सुरक्षा हेतु इन उपायों को किया जाना आवश्यक है।	पपरिणाम भविष्य में परिलक्षित होगे।

					अन्तर्गत ग्राम जखोल के संकोणी, घाटियों, जाबिलचा, गानकुपडा, रौणा, रूंगा, थातुटा, कामटी, सैपाणी मठेणा में जंगली सुअरों की रोकथाम हेतु घेरबाड़ सुरक्षा दीवार निर्माण कार्य (1725 मी)	लाख) फसल क्षति में (182 एकड़ में 28.25 लाख) मकान क्षति (12 प्रकरणों में 2.58 लाख) कुल रू0 457 एवं 20.00 लाख प्रत्येक प्रभागीय वनाधिकारी के खाते में आकस्मिता को देखते हुये उपलब्ध रहने हेतु।1–कृषकों की खेती की जंगली जानवरों से सुरक्षा हेतु 15 किमी. बायोफेन्सिंगएवं तारजाल व अन्य वन्यजीव रोधी दीवार की स्थापना। 2–राजाजी टाईगर रिजर्व की रामगढ रेंज (लगभग 3 किमी.) का कार्य वित्तीय वर्ष 2022–23 से गतिमान है, इस हेतु अवशेष मांग		
	योग	189603	47780					

(8) विभिन्न बोर्डों, परिषदों एवं फॉउण्डेशन को सहायता

योजना	योजना का उद्देश्य	निर्धारित आउट ले (₹हजार में)		01–04–2022 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2023–24	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
विभिन्न बोर्डों, परिषदों एवं फॉउण्डेशन को सहायता		201200		विभिन्न बोर्डों, परिषदों से सम्बन्धित	विभिन्न बोर्डों, परिषदों से सम्बन्धित	विभिन्न बोर्डों, परिषदों से सम्बन्धित	बांस से जुडी आजीविका में वृद्धि व बाघ संरक्षण के प्रयासों में सहायता।	31.03.2024
	योग	201200						

(9) उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड को सहायता

योजना	योजना का उद्देश्य	निर्धारित आउट ले (₹हजार में)		01–04–2022 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2023–24	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
राज्य सेक्टर योजनायें								
उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड को सहायता		10000	-	जैव विविधता बोर्ड सम्बन्धी कार्य	जैव विविधता बोर्ड सम्बन्धी कार्य	जैव विविधता बोर्ड सम्बन्धी कार्य	जैव विविधता के संरक्षण के कार्य को आगे बढाना, जैव विविधता संरक्षण हेतु जैव विविधता प्रबन्धन समितियों को सुदृढ करना तथा जैव विविधता के व्यावसायिक उपयोग से स्थानीय जनता के हितों की रक्षा।	31.03.2024
पर्यावरण निदेशालय		109451						
राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण		2000						
सुदरलाल बहुगुणा प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण पुरूस्कार योजना		800						
आद्रभूमि प्राधिकरण		2500						
	योग	124751						

(10) उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबन्धन परियोजना (बाह्य सहायतित योजना) :–

योजना	योजना का उद्देश्य	निर्धारित आउट ले (रू हजार में)		01–04–2022 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2023–24	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
ई0ए0पी0 योजनाये								
उत्तराखण्ड वन संसाधन प्रबन्धन परियोजना (जायका पोषित)	वनो के आसपास क्षेत्रों के गाांव वालो की आजीविका में सुधार एवं आय में वृद्धि कर वनों पर निर्भरता कम करना	900000	1	ईको–रेस्टोरेशन–2611 है0, चाल–खाल–1505 तलाब(कच्चे)/ जलकुण्ड–230, कन्टूर फरो–187485 र0मी0, एस0एच0जी0 को वित्तीय/मार्केट/ एन0जी0ओ0 हैण्डहोल्ड सहायता–1500 (1 नया एवं 1499 पूर्व में गठित) कृषकों को वालनट पौध वितरण–4812 है0	ईको रेस्टोरेशन– 1429 है0, चाल–खाल–98, तलाब(कच्चे)/ जलकुण्ड–230, कन्टूरफरो–500 र0मी0, तलाब (पक्के)/ जलकुण्ड–12, चैकडैम–36, एस0एच0जी0 को वित्तीय/मार्केट/ एन0जी0ओ0 हैण्डहोल्ड सहायता–1500 (पूर्व में गठित), फेडरेशन का गठन व सहायता– क्लस्टर स्तरीय–20 सं0 (पूर्व गठित) राज्य स्तरीय–01 सं0 (पूर्व गठित), कृषकों को वालनट पौध वितरण–4140, मॉडल साईट–3 साइट्स में कार्य गतिमान है। कैन्डिडेट साईट–04 साइट्स में कार्य गतिमान है।	वृक्षारोपण क्षेत्रों का सर्वे एवं डिमार्केशन, अवांछित वीड उन्मूलन, सिल्वीकल्चर एक्टीविटी, अग्रिम मृदा कार्य, नर्सरी कार्य, आधुनिक नर्सरी का तैयार करना, चाल–खाल, तालाबों का सुदृढ़ीकरण, जैव विविधता के संरक्षण हेतु ग्राम का चयन, एवं उनका क्षमता विकास, भू–क्षरण रोकथाम कार्य	पंचायती वनों का ईको रेस्टोरेशन, स्थानीय जनता की इन वनों पर निर्भरता को कम कर इनका संरक्षण तथा पंचायतों को आजीविका के अवसर प्रदान कर वनावरण में वृद्धि करना।	परिणाम आगामी वर्षो में परिलक्षित होंगे
	योग	900000	1					

(11) कैम्पा के अन्तर्गत :–

योजना	योजना का उद्देश्य	निर्धारित आउट ले (₹हजार में)		01–04–2022 की स्थिति (भौतिक)	31–03–2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट कम 2023–24	समय सीमा
		राजस्व	पूंजीगत					
क्षतिपूरक वनीकरण योजना	क्षतिपूरक वृक्षारोपण कार्य किया जायेगा	568000		क्षतिपूरक वनीकरण (है0)–2852.05, वन रक्षक चौकी निर्माण (संख्या)–47, अश्व मार्गो का रख–रखाव –किमी–3349.51, प्राकृतिक आवास सुधार (है0)–13990. 74,ओक/देवदार वृक्षारोपण (हे0)–70, जल निकार्यो का सृजन (सं0)–3699.9,मृदा एवं जल संरक्षण (सं0)–14041.1, कन्टूर ट्रेन्च का निर्माण–(है0)–7629.59, रेस्क्यू/रिहैबिलिटेशन सेंटर–4	क्षतिपूरक वनीकरण (है0)–2047.78 कैट प्लान वृक्षारोपण–937. 36, ओक/देवदार वृक्षारोपण (है0)–280 अन्य कार्य प्रगति पर है। अश्व मार्गो का रख–रखाव –किमी–3041.51, प्राकृतिक आवास सुधार (है0)–12980.74,,मृदा एवं जल संरक्षण (सं0)–13041.1	क्षतिपूरक वृक्षारोपण कार्य किया जायेगा,	विभिन्न विकास कार्यों/गैर वानिकी कार्यों हेतु वन भूमि हस्तान्तरण के फलस्वरूप होने वाले वनों के ह्रास की प्रतिपूर्ति करना तथा वनों एवं वन्यजीवों के संरक्षण व प्रबन्धन कार्यों को सुदृढ करना।	31.03.2024
जल ग्रहण क्षेत्र शोधन योजना कैम्पा कैट प्लान		335700				जल एवं भूमि संरक्षण किये जायेंगे।		
समेकित वन्यजीव प्रबन्धन योजना		103000				कैट प्लान से सम्बन्धित कार्य		
वन भूमि का निवल वर्तमान मूल्य		2001746				वनों एवं वन्यजीवों के संरक्षण व संवर्द्धन से सम्बन्धित विभिन्न कार्य, अवस्थापना विकास, वनाग्नि प्रबन्धन, वृक्षारोपण किया जायेगा		
कैम्पा योजना से अर्जित ब्याज		57000						
अन्य कार्य		190000						
	योग	**3255446**						
कैम्पा घटाईये		**-3255446**		कैम्पा की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत स्वीकृत आय–व्ययक के समतुल्य बजट कैम्पा की धनराशि से घटाने हेतु प्राविधान				
	कुल योग	10452204	758281					
	महा योग	**11210485**						